कनेर का फूल

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

हाल ही में एक महिला द्वारा गलती से कनेर (ओलियंडर) की विषैली पत्तियाँ चबाने से मृत्यु हो गई, इस कारण केरल ने मंदिर के प्रसाद **में ओलियंडर/कनेर के फूलों** (*Nerium Oleander*) **(स्थानीय रूप से अराली के नाम से जाना जाता है)** के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है।

- कनेर (ओलियंडर), जिसे **रोज़बे** भी कहा जाता है, एक व्यापक रूप से उगाया जाने वाला पौधा है जो विश्वभर के **उष्णकटिबंधीय,** **उपोष्णकटिबंधीय** और **समशीतोष्ण** क्षेत्रों में पाया जाता है।
    - यह **सूखे का सामना** करने की अपनी क्षमता के लिये लोकप्रिय है तथा इसका उपयोग आमतौर पर **भूनिर्माण** एवं **सजावटी उद्देश्यों** के लिये किया जाता है।
- **एक पारंपरिक औषधि के रूप में कनेर (ओलियंडर):**
    - यह **कुष्ठ** रोग जैसी दुःसाध्य और निरंतर बनी रहने वाली त्वचा की बीमारियों के इलाज के लिये **आयुर्वेद** द्वारा निर्धारित है।
    - **भावप्रकाश (आयुर्वेद पर एक प्रसिद्ध ग्रंथ)** में इसे एक **ज़हरीले पौधे** के रूप में उल्लेखित किया है और संक्रमित घावों, त्वचा रोगों, रोगाणुओं एवं परजीवियों तथा खुजली के उपचार में इसके उपयोग की अनुशंसा की है।
- इस पौधे में **कार्डियक ग्लाइकोसाइड्स (एक प्रकार का रसायन)** होता है, जिसमें **ओलेंड्रिन, फोलिनेरिन** और **डिजिटॉक्सिजेनिन** जैसे तत्त्व सम्मिलित हैं, जो हृदय पर **औषधीय प्रभाव** डाल सकते हैं।
    - **कनेर विषाक्तता के लक्षणों में** मतली, दस्त, उल्टी, चकत्ते, भ्रम, चक्कर आना, अनियमित हृदय गति, मंद हृदय गति और गंभीर मामलों में मृत्यु होना **शामिल** हैं।

//

और पढ़े: [भारत में वनों के प्रकार]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/oleander-flowers